खण्ड -15 1235 02/02/16 संख्या -11

एकादश
बिहार विधान-सभा वादवृत्त

भाग-2

कार्यवाही प्रश्नोत्तर रहित

शुक्रवार, तिथि 9 अप्रैल, 1999 ई०

सत्यमेव जयते

शुद्धि - पत्र

शुक्रवार, 9 अप्रैल, 1999 ई०

अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द	पेज नं०
जाय	जायं	4
चिंतित	चिन्तित	8
उवलंत	ज्वलन्त	15
रीभम	रीमूभ	20
अफसोसनाक	अफसोसजनक	20
जगदानंद सिंह	जगदानन्द सिंह	22
जगदानंद सिंह	जगदानन्द सिंह	23
जगदानंद सिंह	जगदानन्द सिंह	24
जगदानंद सिंह	जगदानन्द सिंह	27
प्रारंभ	प्रारम्भ	34
इंस्पेटक्टर	ईंस्पेक्टर	35
सबरो	सबसे	39
चिनता	चिन्ता	44
संपदा	सम्पदा	45
इस्टेट	एस्टेट	53
इंडस्ट्रीय	इन्डस्ट्री	53
हमारे	हमारे	58
कन्ट्रक्शन	कन्स्ट्रक्शन	68
लिए	लिए	76
दुनिया	दुनिया	76
उचित	उचित	90

एकादश बिहार विधान-सभा

विधान-सभा (वादवृत्त)

(भाग-2)

कार्यवाही प्रश्नोत्तर रहित

शुक्रवार, तिथि 9 अप्रैल, 1999 ई०

खण्ड -15 संख्या-11

बिहार विधान-सभा वाद-वृत्त

(भाग-2 कार्यवाही प्रश्नोत्तर रहित)

शुक्रवार, तिथि 9 अप्रैल, 1999 ई०

विषय-सूची

	पृष्ठ संख्या
प्रारंभिक चर्चा :	01
सदन से सूचना दिया जाना :	08
सदस्य का निलंबन :	09
सरकारी वक्तव्य :	16
वित्तीय कार्य : वित्तीय वर्ष 1999-2000 के आय-व्ययक में सम्मिलित अनुदानों की मांगों पर वाद-विवाद तथा मतदान: "उद्योग" (स्वीकृत) :	25
कटौती-प्रस्ताव: राज्य सरकार की उद्योग नीति पर विचार-विमर्श: (अस्वीकृत) :	29
याचिकाओं का उपस्थापन :	89
निवेदनों के संबंध में सूचना :	89
दैनिक निबंध :	90

टिप्पणी :- *कोई भी मा० मंत्री अथवा सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किये हैं।*

बिहार विधान-सभा वाद-वृत्त

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा

का

कार्य-विवरण

सभा का अधिवेशन पटना के सभा सदन में शुक्रवार, तिथि 9 अप्रैल 1999 को पूर्वाह्न 11-00 बजे उपाध्यक्ष, **श्री जगबन्धु अधिकारी** के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ ।

(इस अवसर पर माननीय उपाध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

इस अवसर पर विपक्ष के सभी सदस्यगण एक साथ खड़े हो गये ।

प्रारंभिक चर्चा

उपाध्यक्ष : सदन के बाहर में क्या-क्या आपलोग दिखाये हैं, फिर सदन के अंदर भी दिखाइयेगा तो सदन का समय और आप सभी माननीय सदस्यों का समय न जाया होगा । इस परिपाटी को समाप्त नहीं कीजियेगा तो कैसे काम चलेगा ।

(इस अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा सोरेन, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले), सी.पी. एम. एवं चंपारण विकास पार्टी के माननीय सदस्यगण सदन के वेल में आये) ।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अभी प्रश्नकाल चलने दीजिये, फिर जो आपने सभा सचिवालय को सूचना दिया है, उसके अनुसार जीरो ऑवर के बाद एक साथ करके टेक-अप करेंगे ।

(व्यवधान)

माननीय सदस्यगण, आपलोग अपनी-अपनी सीट पर जांय । शून्यकाल में आपलोगों की बातों को सुना जायेगा । अभी प्रश्नकाल को चलने दीजिये ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : आपलोग आसन से कहें । आपकी कोई बात सुनाई नहीं दे रही है । आप अपने आसन पर जाइये । आपका ही समय जाया

हो रहा है । आपका ही समय नष्ट हो रहा है । आप अपने आसन पर जाइये । इसे क्या फायदा है? आपको क्या लाभ मिल रहा है? आपको जो लाभ मिलनेवाला है, उसको हमको समझा दीजिए । आपको वेल में आने का क्या लाभ मिल रहा है । 'आपकी कोई बात रेकर्ड नहीं की जा रही है । मैं जानना चाहता हूँ कि जो माननीय सदस्य वेल में आए हैं, आप अपने आसन से उसे बोलिये तो सुनाई देगा । क्योश्चन आवर का क्या होगा ? आप अपने आसन पर जाइये, माननीय सदस्यगण ।

(व्यवधान)

श्री सुशील कुमार मोदी : उपाध्यक्ष महोदय, संपूर्ण बिहार में शिक्षकों और कर्मचारियों की हड़ताल चल रही है । हड़ताल का ढ़ाई महीना हो गया । बिहार के पी.डब्ल्यू.डी. मंत्री को सी.बी.आई. ने इन्ट्रोगेट किया है और एस.डी.ओ. रांची के ऊपर हमला हुआ है । महोदय, ये सभी मुद्दा उठाने के लिए स्वीकृति प्रदान करें । राज्य में तीन महीना से शिक्षक और कर्मचारी की हड़ताल चल रही है । सारे स्कूल बंद पड़े हैं सरकार जानबुझकर शिक्षकों की सेवानिवृत्ति की उम्र घटा दी है और कोई समझौता नहीं कर रही है । बिहार के पी.डब्ल्यू.डी. मंत्री श्री इलियास हुसैन को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए क्योंकि सी.बी.आई. 2-2 बार इंट्रोगेट किया है ।

श्री इलियास हुसैन : कोई जांच हो रही है तो इससे आपको क्या है? आप सुप्रीम कोर्ट हैं ?

श्री सुशील कुमार मोदी : सी.बी.आई. ने उनको अपने दफ्तर में बुलाकर इंट्रोगेट किया है । यह मंत्री का अपमान है । ऐसे मंत्री को

नैतिकता के आधार पर तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए । माननीय मुख्यमंत्री भी यहां उपस्थित हैं और इनको अपने मंत्रिमंडल में मंत्री बनाकर रखे हुए हैं । इनको सी.बी.आई. ने जांच किया है । इसलिए जांच किया होगा कि वे अलकतरा घोटाला के मुख्य अभियुक्त हैं ।

श्री इलियास हुसैन : आप सुप्रीम कोर्ट हैं । आप उससे जांच करवा दें ।

श्री सुशील कुमार मोदी : शिक्षक और कर्मचारी की जो हड़ताल है ।

(व्यवधान)

(इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्य वेल में चले आए ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : सदन कोई नियम से चलेगा ।

श्री रवीन्द्र चरण यादव : उपाध्यक्ष महोदय, मैं व्यवस्था पर हूं । महोदय, अभी तो प्रश्नकाल है, अल्प-सूचित और तारांकित प्रश्न होना है । राज्य हित में सभी सवाल पर सरकार जबाव देने के लिए तैयार है और विपक्षी दल के माननीय सदस्य नहीं चाहते हैं कि राज्य हित में सदन चले, जनता की आकांक्षा पूरी हो और सरकार प्रश्न का जबाव दे । आप हाऊस को ऑर्डर में लाइये । जो क्योश्चन है, उसको पुकारिये ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : शांति । शांति ।

माननीय सदस्यगण । आपलोग पहले यह तय कर

लीजिये कि सदन गले के जोर से चलेगा, नारेबाजी से चलेगा या नियम-कानून से चलेगा ? अगर सदन चलाना है, अगर समय का सदुपयोग करना है तो आपलोगों से आग्रह है कि आपलोग अपनी-अपनी जगह पर जाकर बैठ जायें ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : सदन की कार्यवाही 12.00 बजे मध्याह्न तक के लिए स्थगित की जाती है ।

(इस अवसर पर माननीय उपाध्यक्ष महोदय आसन ग्रहण किया) ।

(इस अवसर पर माननीय सदस्य, श्री दिलीप वर्मा सदन के वेल में आ गये)।

उपाध्यक्ष : आप अपनी सीट पर जायं । आप अपनी सीट पर पहले जांय तब हम आपका जबाव देंगे ।

(व्यवधान)

सदन में सूचना दिया जाना

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अभी अध्यक्ष महोदय के बातों में विभिन्न दलों के नेताओं के साथ विमर्श हुआ और उसके अनुसार सहमति बनी, आज के प्रश्नकाल में व्यवधान पड़ा जिसका कारण आज कोई प्रश्न नहीं हो सका, उस प्रश्नों को शनिवार को 17.04.99 को लिये जायेंगे ।

(व्यवधान)

शनिवार का दिन, आपलोगों को पता होगा कि 5 वर्ग में

प्रश्न विभाजित किया जाता है । शनिवार, इस बार प्रत्येक दिन है तो 26 तारीख को जो प्रश्न था वह तय हुआ था कार्यमंत्रणा समिति में, वह प्रस्ताव आपलोग पढ़कर देखिये, आपके पास हैं, उसमें था कि प्रश्न को एडजस्ट किया जायेगा और वह शनिवार को होगा

जिस प्रश्नों के उत्तर तैयार हैं उन्हें सभा पटल पर रख दिये जायं ।

(व्यवधान)

श्री सुशील कुमार मोदी : उपाध्यक्ष महोदय, पूरे बिहार में कर्मचारियों एवं शिक्षकों की हड़ताल चल रही है, 3 महीना हो गया, सारे स्कूल बिहार के अन्दर बंद पड़े हुए हैं और राज्य में विकास का कार्य ठप है । उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि सरकार बिहार के कर्मचारियों और शिक्षकों के हड़ताल से जो उत्पन्न स्थिति है उसके बारे में सदन के माध्यम से पूरे बिहार को बताये । उपाध्यक्ष महोदय, सरकारी कर्मचारियों एवं शिक्षकों की हड़ताल है, सरकार ने एक ओर कहा कि केन्द्रीय वेतनमान लागू करेंगे और दूसरी ओर सरकार सेवानिवृत्ति की उम्र घटाकर 58 साल कर दी । फिटमेंट कमिटी की अनुशंसा है कि उसको 60 साल रखा जाय । सरकार को इन सारी बातों का जबाव देना होगा, क्या कारण है कि 6 फरवरी से जो हड़ताल चल रही है, वार्ता की क्या स्थिति बनी, क्यों नहीं समझौता हो पा रहा है ? सरकार वार्ता कर अविलम्ब इस हड़ताल को समाप्त कराये ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : आप अपनी सीट पर बैठे । क्या आप बिना अनुमति के बोलते जायेंगे ?

(व्यवधान)

श्री सुशील कुमार मोदी : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि सरकार ने कहा है कि जो पुराना वेतनमान है, जो पुरानी प्रोन्नति हैं सरकार ने उसको बंद कर दिया है और नयी प्रोन्नति लागू नहीं हुआ है । कर्मचारियों का कहना है कि जब तक नया वेतनमान और नयी प्रोन्नति लागू नहीं की जाती है तब तक पुराने प्रोन्नति को लागू रखा जाय । सरकार बताये कि क्यों नहीं समझौता हो रहा है ? बिहार के अन्दर सारे काम बंद पड़े हैं, सारे विकास के काम बंद पड़े हैं इसलिए मैं चाहूंगा कि सरकार कर्मचारियों और शिक्षकों के हड़ताल के बारे में आज सदन को अवगत कराये ।

(व्यवधान)

(इस अवसर पर माननीय सदस्य श्री दिलीप वर्मा सदन के वेल में आकर आसन को संबोधित करने लगे) ।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप आसन ग्रहण कीजिए । आप यहां पर आकर बोलेंगे तो मौका नहीं मिलेगा । आप अपने आसन पर जाइये । आप अपनी सीट पर जाइए । आप अपने आसन से बोलिये । आप पहले आसन पर जाइये तो अपको अवसर मिलेगा । माननीय सदस्य, मैं सरकार को निर्देश करूंगा, पहले आप आसन पर जाइए । जब तक आप आसन पर नहीं जायेंगे तब तक आसन से कोई निर्देश नहीं जायेगा ।

आप अध्यक्ष महोदय के कमरे में श्री चर्चा हुई थी, सदन में भी बात उठी कि शिक्षक-कर्मचारी तीन महीने से हड़ताल पर हैं। मामला बहुत ही संवेदनशील है। सारा काम-काज बाधित हो रहा है।

(व्यवधान)

क्या मामला है, आपका समय इसी तरह नष्ट हो रहा है। आप लोग नियमावली पढ़ते नहीं हैं इसीलिए कोई महत्वपूर्ण बात होते हुए भी नहीं उठा पा रहे हैं। कृपया बैठिये।

(व्यवधान)

आप लोग काहे झगड़ रहे हैं, आसन की तरफ मुखातिब होइए। सदन में आसन की तरफ कहने का परिपाटी और नियम है। बैठिए। आप आसन ग्रहण कीजिए। आप अपने महत्वपूर्ण समय को नष्ट कर रहे हैं। आज साढ़े बाहर बजे तक हाऊस है, कुछ काम होने दीजिए।

श्री अम्बिका प्रसाद : उपाध्यक्ष महोदय, निर्णय के मुताबिक बात यह हुई कि पहले अराजपत्रित कर्मचारियों की हड़ताल के बारे में....

उपाध्यक्ष : आप बोलियेगा तो सभी बोलने लगेंगे। सरकार कुछ नहीं कह सकेगी। पहले समस्य का समाधान होने दीजिये। आप अध्यक्ष महोदय के चेम्बर में तय हुआ कि अति महत्व के सवाल शिक्षक-कर्मचारियों के हड़ताल पर सदन उद्वेलित है, चिंतित हैं कि तीन माह से विकास का काम ठप है, पढ़ाई-लिखाई ठप है।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : मैं चाहूंगा कि सरकार को इस संबंध में क्या कहना है, इस सदन में अभी सरकार एक वक्तव्य दे या कौन दिन ये पूरा वक्तव्य देना चाहते हैं, सरकार यह तय करे कि किस तिथि को रखना चाहती है । सरकार सारी जानकारी नेताओं को दे कि इस संबंध में क्या प्रगति हुई है, वार्ता में क्या व्यवधान हैं ? सभी ने आज इच्छा व्यक्त की है, सदन चिंतित है कि इसका समाधान निकाला जाये । इसलिए इस संबंध में सरकार वक्तव्य दे ।

श्री जगदानंद सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, यह बात सदन में जब उठी तो सरकार की तरफ से दो बातें स्पष्ट की गयी, अभी आपका निर्देश है तो......

(व्यवधान)

(इस अवसर पर माननीय सदस्य श्री दिलीप वर्मा अपने आसन से ही जोर-जोर से आसन को संबोधित कर कागज लहराने लगे) ।

उपाध्यक्ष : इसके बाद आपको समय देंगे, आप बैठिये । आपको इसके बाद अवसर देंगे । मंत्री महोदय, बोलिये ।

उपाध्यक्ष : मंत्री जी ।

श्री जगदानंद सिंह : महोदय, पहले उनको शांत कराइयेगा तब न ।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री दिलीप वर्मा जी, आप बैठियेगा या नहीं ? आप अपनी सीट पर बैठियेगा या नहीं ? आप अपना आसन ग्रहण कीजिए ।

(इस अवसर पर माननीय सदस्य, श्री दिलीप वर्मा अपनी सीट पर खड़े रहे)।

उपाध्यक्ष : (खड़े होकर) माननीय सदस्य, श्री दिलीप वर्मा जी, आपसे मैं फिर अनुरोध कर रहा हूँ, मैं खड़ा हूँ, अब भी आप बैठ जाइये ।

(इस अवसर पर माननीय सदस्य, श्री दिलीप वर्मा खड़े रहे)।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : माननीय मंत्री जी ।

सदस्य का निलम्बन

श्री रामचन्द्र पूर्वे : उपाध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि -

"बिहार विधान-सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली के नियम-63(3) के अंतर्गत श्री दिलीप वर्मा, स.वि.स., निर्वाचन क्षेत्र-सिकटा (5) को सदन की सेवा से 2 (दो) उपवेशनों के लिये निलम्बित किया जाय ।"

उपाध्यक्ष : प्रश्न यह है कि-

"बिहार विधान-सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली के नियम-63 (3) के अंतर्गत श्री दिलीप वर्मा, स. वि.स., निर्वाचन क्षेत्र-सिकटा (5) को सदन की सेवा से 2 (दो) उपवेशनों के लिये निलम्बित किया जाय ।"

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

माननीय सदस्य, श्री दिलीप वर्मा को सदन की सेवा से दो उपवेशनों के लिये निलम्बित किया गया ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री दिलीप वर्मा जी, आप सभा प्रसीमा तुरंत छोड़ दें, आपकी दो दिनों के लिये सदन की सेवा से निलम्बित कर दिया गया है ।

(इस अवसर पर माननीय सदस्य, श्री दिलीप वर्मा को मार्शल द्वारा आऊट किया गया ।

(व्यवधान)

(इस अवसर पर माननीय सदस्य, श्री मुन्द्रिका सिंह यादव सदन के "वेल" में आ गये)।

श्री सुशील कुमार मोदी : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य, श्री दिलीप वर्मा ने जो लाल-कार्ड का मुद्दा उठाया, उनको मुद्दा उठाने का अवसर तो मिलना चाहिए था । तीन दिनों से माननीय सदस्य, श्री दिलीप वर्मा बिहार में लाल-कार्ड वितरण में जो धांधली हुई है, उस मुद्दे को उठाना चाह रहे हैं । आप उन्हें उठाने का अवसर नहीं देंगे तो ऐसी चीजें सदन के अंदर पैदा होंगी । इसलिए आप इसके लिए सदन के अंदर समय निर्धारित कीजिए । पूरे बिहार में लाल-कार्ड के मामले में करोड़ों रुपये का घोटाला हुआ है, उसका गेहूं और चावल बाजार में बिक रहा है और यह सवाल माननीय सदस्य, श्री दिलीप वर्मा उठाना चाहते हैं उपाध्यक्ष महोदय, उनको अलग से समय देकर इस मामले को उठाया जाना चाहिए ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : माननीय नेता, विरोधी-दल, माननीय सदस्यगण, मैं कहना चाहता हूँ कि माननीय सदस्य, श्री दिलीप वर्मा जो सवाल उठाना

चाहते हैं, लाल-कार्ड की जो राशि से गरीबों को सहायता नहीं मिल रही है, उसके वितरण में जो धांधली है, यह महत्वपूर्ण सवाल है, आज उनका एक नम्बर पर था भी लेकिन कोई नियम और प्रक्रिया से ही न सदन का संचालन होगा ? आपलोगों ने तय किया कि कर्मचारियों और शिक्षकों के हड़ताल पर सरकार की ओर से वक्तव्य आये, आज 12.30 बजे तक ही हाऊस है, अभी सरकार का वक्तव्य होना है ।

(व्यवधान)

श्री गणेश प्रसाद सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, अगर सरकार हड़ताल को खत्म करना चाहती है....

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : इस बात के संदर्भ में ....

(व्यवधान)

श्री गणेश प्रसाद सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, सिर्फ वक्तव्य देने की बात नहीं हुई है, बात यही हुई है कि हड़ताल को समाप्त करायें । हड़ताल को समाप्त करानेवाली बात अगर सरकार करना चाहती है तो वक्तव्य दे ।

(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : हम चाहते हैं कि सरकार का .....

(व्यवधान)

श्री इन्दर सिंह नामधारी : महोदय.....

उपाध्यक्ष : मैं चाहूँगा कि सरकार का उत्तर सुन लीजिए उसके बाद....

(**व्यवधान**)

श्री इन्दर सिंह नामधारी : उपाध्यक्ष महोदय......

(**व्यवधान**)

उपाध्यक्ष : अब सदन की कार्यवाही 2.00 बजे दिन तक के लिए स्थगित की जाती है ।

(**अन्तराल**)

(**इस अवसर पर उपाध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया**)

(**व्यवधान**)

श्री राजेन्द्र राजन : उपाध्यक्ष महोदय, शिक्षकों-कर्मचारियों की हड़ताल तुरंत समाप्त करायी जाय, सरकार इसका आश्वासन दे ।

(**व्यवधान**)

श्री इन्दर सिंह नामधारी : उपाध्यक्ष महोदय, मैं व्यवस्था पर खड़ा हूँ । दोपहर में भोजनावकाश के पूर्व दिलीप शर्मा जी को 2 दिन के लिए सदन से निष्कासित करने का प्रस्ताव पारित किया गया । मैं महसूस करता हूँ कि इसमें प्रक्रियात्मक थोड़ी सी कमी रह गई है, इसको सदन में पुट किया जाना चाहिए था, हां या ना में पूछा जाना चाहिए था । एक बात मैं आपको याद करना चाहता हूँ उपाध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी आपसे आग्रह किया था कि मुद्दा बहुत महत्वपूर्ण है जो दिलीप वर्मा उठाना चाहते हैं, लेकिन

उनका ढंग अलग है बात करने का, जो पूरी प्रक्रिया नहीं समझ सके । इसलिए मैं आपसे आग्रह करूँगा कि आप इस निष्कासन के आदेश को वापस लेने की कृपा करें और दूसरा श्री दिलीप वर्मा जी दो 2 मिनट बोलने का मौका दे दें ताकि उनके दिल में जो आक्रोश है, वो व्यक्त कर सके सदन के सामने, केवल इतनी बात करनी है । एक अच्छे वातावरण में हाऊस चल रहा है, इसमें रंग में भंग नहीं डाला जाय उपाध्यक्ष महोदय, इसलिए मेरे इस आरजू पर ध्यान दें, यह मेरा आपसे आग्रह है ।

श्री सुशील कुमार मोदी : उपाध्यक्ष महोदय, मैं नामधारी जी की बातों का समर्थन करता हूँ । आप उनको बुलाकर बात कर ले कि इस तरह की अव्यवस्था पैदा न करें लेकिन जो मुद्दा वे उठाना चाहते थे, 3 दिन हो गया, आपको भी इस पर विचार करना होगा कि वे कितना महत्वपूर्ण विषय उठाना चाहते हैं, उनको अवसर दिया जाना चाहिए था । मेरा आग्रह है कि उनका निष्कासन वापस लेने के लिए आप कार्रवाई करें ।

श्री फुरकान अंसारी : उपाध्यक्ष महोदय, यह दोहरी बात नहीं चलेगी, बात वहां कुछ और यहां कुछ । यहाँ आप सहमति दिला रहे हैं विधायकों की ओर से । सभी के लिए व्यावहारिकता और नियम बना दिये गये हैं, इस तरह से हाऊस नहीं चलेगा । सभी माननीय सदस्यों को हक है अपनी बात उठाने का, नियम के तहत उठाने का । हर माननीय सदस्य बार-बार सदन को डिसटर्ब करेंगे तो हाऊस कैसे चलेगा ? माननीय सदस्य अपने-अपने जिले और अपने-अपने क्षेत्र की समस्या को लेकर यहां बैठे हुए हैं । एक या दो आदमी हल्ला करेंगे तो सारे माननीय सदस्यों की समस्या का नाश कर दिया जायेगा । वहां जो मिटिंग में कहा जाता है, वही

बात यहां भी करनी चाहिए । दोहरी चाल चलने की कोशिश नहीं किया जाय, यही मेरा आपसे आग्रह है ।

श्री उपेन्द्र नाथ दास : उपाध्यक्ष महोदय, किसी भी माननीय सदस्य का निष्कामन उचित नहीं होता है लेकिन मैं माननीय सदस्यों से भी कहना चाहता हूँ कि जब आसन स्वयं खड़ा हो जाय तो यह सामान्य प्रक्रिया, नियम, चाहे कोई भी माननीय सदस्य अधिक महत्वपूर्ण विषय पर क्यों नहीं बोल रहे हों, माननीय सदस्य को आसन का सम्मान करते हुए बैठ जाना चाहिए था लेकिन इसका निर्वहन नहीं करेंगे तो सदन शांतिपूर्ण कैसे चलेगा ? हम नहीं चाहेंगे कि किसी माननीय सदस्य को सदन की कार्यवाही से बाहर निकाला जाय, सदन से निष्कासित किया जाय । श्री दिलीप वर्मा जी को वापस बुला लीजिए, हम यह भी चाहेंगे लेकिन यह जरूर उनको लगे कि उन्होंने आसन का सम्मान नहीं किया है और सामान्य प्रक्रिया का पालन उन्होंने नहीं किया है, भविष्य में वे पालन करें, इसकी अपेक्षा आसन भी करेगा और हम सभी लोग करेंगे ।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मैं सभी माननीय सदस्यों का कद्र करता हूँ, सम्मान करता हूँ और किसी के प्रति कोई दुर्भावना नहीं करता हूँ । चूंकि राज्य के ज्वलंत समस्या, क्षेत्र की समस्या से उद्वेलित होकर माननीय सदस्य सवाल उठाते हैं, अपने विषय को रखने का प्रयत्न करते हैं लेकिन श्री दिलीप वर्मा जी बहुत ही ज्वलंत समस्या लाल-कार्डधारी के बारे में जो गरीब लोग हैं, उनको नहीं मिल रहा है, इस सवाल को उठाने के लिए वे लगातार प्रयत्न करते रहे हैं । आश्वासन भी दिया गया कि यथासंभव प्रयास करेंगे आपके विषय को सदन में रखवाने का । आज जो लोग,

माननीय सदस्य लोग हम नाम नहीं लेंगे; इसके प्रति जो लोग सिमपेंथी दिखा रहे हैं, उन लोगों को चाहिए था कि यदि इनका विषय अधिक महत्व रखता था तो आज जिस सवाल पर अध्यक्षीय कक्ष में बल दिया गया, उससे पहले इनके विषय के ऊपर देना चाहिए था लेकिन यहां भी हम कर्मचारियों और शिक्षकों के लिए सवाल उठा रहे हैं, उसका भी श्रेय लेंगे और जो ज्वलंत समस्या है, उसको हम सेकेण्डरी देंगे । 12.30 बजे तक समय था, जिसमें एकोमोडेट नहीं हो सके ।

मैं माननीय सदस्य श्री दिलीप वर्मा को जानता हूँ । आप लोगों की एवं सदन की भावना को देखते हुए उनको हम अपने चैम्बर में बुलाकर समझायेंगे अगर वे सामान्य प्रक्रिया की जानकारी के अभाव में कुछ किये हैं उसके लिए खेद प्रकट करेंगे तो उन पर हम सहानुभूति के साथ विचार करेंगे । अभी हम चाहेंगे कि आप लोगों ने जो ज्वलंत समस्या के बारे में बात उठाई थी कर्मचारियों के बारे में । हम कहना चाहेंगे कि आसन से यह निर्देश नहीं दिया जा सकता है कि आप समाधान तीन दिन में करा दें, दो दिन में करा दें । आप यहां पर बैठकर, जब आप आसन पर बैठियेगा तो आपने यह महसूस किया होगा कि किस प्रकार का हम निर्देशन दे सकते हैं । हम इतना ही कह सकते हैं कि यह बहुत ही राज्य की ज्वलंत समस्या है, तीन महीने से पढ़ाई-लिखाई बाधित है, विकास का काम नहीं हो रहा है इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए सरकार के पास जो कठिनाई है उससे जनता को, सदन को, सदन के माध्यम से जनता को अवगत कराने के लिए सरकार को वक्तव्य देने के लिए आग्रह किया था । व्यवधान के कारण नहीं हो सका । हम चाहेंगे कि मंत्री जी जो अपना पक्ष रखना चाहते थे वे यदि चाहें तो उस बात

को कह दें नहीं तो कल फिर सदन उद्वेलित होगा ।

श्री अम्बिका प्रसाद : उपाध्यक्ष महोदय, आसन की ओर से सरकार को कहा जाय कि जल्द से जल्द और कब तक समस्या का समाधान निकालेंगे ?

श्री रामाश्रय प्र० सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी सीमा को समझता हूँ । गवर्नमेंट बिल्कुल कान बंद कर के बैठ जाय तो आपको कोई अधिकार नहीं है इससे हम सहमत नहीं हैं । यह बहुत बड़ी बात है । पूरे राज्य में विकास का सारा काम ठप है ।

उपाध्यक्ष : रामाश्रय बाबू हम गवर्नमेंट को सुन लेंगे तब न निर्णय पर आयेंगे । सब लोग चाहियेगा कि हम कर्मचारी के पक्ष में कुछ रखें ।

श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, हम सिर्फ इतना चाहते हैं कि हड़ताल को तोड़वाने में सरकार क्या कर रही है ? इस पर सरकार बयान दे । सरकार हड़ताल को शीघ्र समाप्त करायें । उनसे वार्त्ता करे ।

सरकारी वक्तव्य

श्री जगदानंद सिंह : महोदय, जनवरी माह से हड़ताल हुई है । गत वर्ष भी हड़ताल हुई थी और एक समझौता हुआ था । समझौता में मूल बिन्दु यह तय था कि भारत सरकार की तरह बिहार सरकार के कर्मचारियों को भी सरकार वेतनमान देगी । आज के दिन चाहे उनको कम मिल रहा हो या अधिक मिल रहा हो उसके समरूप सरकार वेतन देगी । यह समझौता सरकार और कर्मचारी नेताओं के बीच हुई थी उनका कहना था केन्द्रीय वेतनमान देने के लिए